ISSN: 2582-7162

लेख

संबंधित साहित्य की समीक्षा में वेब मीडिया की भूमिका

(Role of webmedia for review literature)

डॉ. प्रीति कछावा[1] श्री तेजराम मीणा[2]

[1]सहायक आचार्य, रघुकुल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पिपलाबाई, जयपुर।

[2]सहायक आचार्य, रघुकुल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पिपलाबाई, जयपुर।

Corresponding Author:

डॉ. प्रीति कछावा''श्री तेजराम मीणा'

सहायक आचार्य, रघुकुल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पिपलाबाई, जयपुर।

Email : tejrammeena1991@gmail.com

Received 2022 April 22, Accepted 2022 April 28, Published - 2022 May 07

सारांशः– संबंधित साहित्य से तात्पर्य अनुसंधान की समस्या से संबंधित उन सभी प्रकारों की पुस्तकों, ज्ञान कोषों, पत्र पत्रिकाओं, प्रकाशित–अप्रकाशित शोध प्रबंधों एवं अभिलेखो आदि से है, जिनके अध्ययन से अनुसंधान कर्ता को अपनी समस्या के चयन, परिकल्पनाओं के निर्माण, अध्ययन की रूपरेखा तैयार करने एवं कार्य को आगे बढ़ाने में सहायता मिलती है। संबंधित साहित्य के सर्वेक्षण के मुख्य रूप से पाँच कार्य पूर्ण होते है यथा (1)यह अनुसंधान कार्य के लिए आवश्यक सैद्धान्तिक पृष्ठ भूमि प्रदान करता है प्रत्येक प्रत्यय एवं धारणा को स्पष्ट करता है, (2) इसके द्वारा यह स्पष्ट हो जाता है कि इस समस्या क्षेत्र में अनुसंधान की स्थिति क्या हैं? क्या कब, कहाँ, किसने और कैसे अनुसंधान कार्य किया? इसके ज्ञान द्वारा अपने अध्ययन की योजना बनाना सुविधा जनक हो जाता है, (3) संबंधित साहित्य का सर्वेक्षण अनुसंधान के लिए अपनाई जाने वाली विधि, प्रयोग में लाये जाने योग्य उपकरण तथा आँकड़ों के विश्लेषण के लिए प्रयोग में जाने वाली उपयुक्त विधियों को स्पष्ट करता है, (4) यह इस तथ्य का भी आभास देता है कि लिया गया अनुसंधान कार्य (5) इसका यह महत्वपूर्ण कार्य समस्या के परिभाषी करण, किस सीमा तक सफल हो सकेगा और प्राप्त निष्कर्षों की उपयोगिता क्या होगी? अवधारणा बनाने, समस्या के सीमांकन और परिकल्पना के निर्माण में सहायता करता है।

प्रस्तावनाः– वर्तमान मे ंसंबंधित साहित्य की समीक्षा में इन्टरनेट की महत्वपूर्ण भूमि का है जिसमें वेब मीडिया के माध्यम से संबंधित साहित्य की समीक्षा की जाती हैं।इन्टरनेट सम्प्रेषण का सबसे तेज, सबसे सस्ता माध्यम और विश्वसनीय माध्यम प्रदान करता है, जिसमें सूचना का विभाजन पुनः प्राप्ति और भंडारण शामिल है। इन्टरनेट की प्रमुख सेवाएँ संबंधित साहित्य की समीक्षा करने में मुख्य भूमिका निभाती है। वर्ल्ड वाइड वेब www. (वेब मीडिया), वेब पेज वेब ब्राउजर, वेब इन्डेक्स, सर्च इन्जन वेबमीडिया एक प्रकार का बहु माध्यम उपागम है जिस में विभिन्न माध्यमों में अनेक सॉफ्टवेयर्स के समूहों अथवा उनका एकत्रीकरण सम्मिलित होता है, यह एक ऐसा सामूहिक प्रस्तुतीकरण है जिसमें विषय–वस्तु, ग्राफिक्स, चित्र, आवाज, संगीत, प्रतिकृति तथा वीडियो इमेज आदि का प्रयोग कम्प्यूटर के द्वारा किया जाता है। यह शिक्षा तकनीकी के क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान एवं प्रयोग का सार है। एक और सम्बन्धित साहित्य के अन्य स्त्रोत लिखित कार्य है या कुछ मुद्रित सामग्री है जो हमें जानकारी प्रदान करती है दूसरी और वेब मीडिया में सोशल मीडिया इलैक्ट्रॉनिक संचार का एक रूप है जिसके माध्यम से लोग विचारों, सूचनाओं और अन्य सामग्री को साझा करने के लिए ऑनलाइन समुदाय बनाते है वर्तमान में सोशल मीडिया ने जहां पाठकों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए पुस्तकों के विभिन्न तत्वों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान किया है, वहीं इन पुस्तकों के माध्यम से हम अपने स्पष्ट कर सकते हैं आजकल सब कुछ ऑनलाइन है, इस ऑनलाइन युग में हम डिजिटल होते जा रहे हैं, वेब मीडिया एक ऐसा प्लेटफार्म है जिसने अनुसंधान में क्रांति ला दी है। आज हम कही ंपर भी बैठे–बैठे अनुसंधान से सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन कर सकते है, विभिन्न दिग्गजों की कृतियाँ पढ़ सकते है, आज वेब मीडिया के माध्यम से 10 मिनट के यू ट्यूब वीडियों से हमें सुनने को जानकारियाँ उपलब्ध हो रही हैं,

https://doi.org/10.47997/sdes-ijir/3.2.2022.418-419

पारम्परिक संचार माध्यमों समाचार पत्र, रेडियो और टेलीविजन की जगह बेव मीडिया ने ले ली है। न्यू मीडिया, ऑनलाइन मीडिया, साइबर जर्नलिस्म और वेब जर्नलिज्म और कई नामों से वेब मीडिया को जाना जाता है। अनुसंधान अध्ययनों के इतिहास के प्रमाण और विवरण प्राप्त करना, साथ ही अनुसंधान के क्षेत्र शीर्षक, विषय, पुस्तकों के प्रकाशन और आबंटन के अनुसार हजारो पुस्तको और जर्नलो का विवरण इसके अंतर्गत दिया जाता है। जिससे अनुसंधान कर्ता को संबंधित साहित्य की समीक्षा करने में सुविधा होती है। इन्टरनेट की सेवा वर्ल्ड वाइड वेब सौ से अधिक देशों के साथ जुड़े होने के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय सम्प्रेषण का महत्वपूर्ण स्त्रोत है वेब मीडिया, अंतर्राष्ट्रीय सम्प्रेषण का मूलभूत तथ्य है इसके द्वारा बहुमार्गीय दो तरफा सम्प्रेषण होता है। इन्टरनेट नेटवर्क का सबसे बड़ो Source होता है जहां लाखों करोड़ों की तादात में डाटा उपलब्ध होता है, इन्टरनेट पर वेबमीडिया के रूप में बड़ी संख्या मेंइलेक्ट्रानिक सदस्यताएँ उपलब्ध है जो निःशुल्क भी प्राप्त की जा सकती है और निम्न मूल्य पर भी। इन्टरनेट पर अनेक वेबसाइट है इन से प्राप्त/उपलब्ध सूचनाएँ विश्वसनीय होती है। वेबसाइट की फाइलों में प्रदत्तों/सूचनाओं को अधिकृत स्त्रोतों से प्राप्त किया जा सकता है। इसकी मदद से किसी भी प्रकार का डाटा जैसे files, documents, books, tools आदि को प्राप्त करते है, इन वेबसाइटों पर अनेक जर्नलों और पत्रिकाओं की इलेक्ट्रॉनिक प्रतियाँ उपलब्ध है। वेबमीडिया द्वारा इन्टरनेट पर शोध प्रबंध, राजकीय प्रकाशन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, विभिन्न शोध साइट्स, अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन, ज्ञानकोष, शिक्षा अनुसंधान संबंधी लेख सार, गंथ सूची, निर्देशिकाएं विभिन्न पत्र व पत्रिकाओं की साइट्स, वार्षिकी (Year Book) लघु पुस्तके, अनुसंधान के जर्नल उपलब्ध/प्राप्त होत है। इन्हें हम अपलोड भी कर सकते है, इन सभी के द्वारा संबंधित साहित्य की समीक्षा करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलती है। इस प्रकार वेब मीडिया संचार का एक उपकरण है जो अनुसंधान के लिए संबंधित साहित्य की समीक्षा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन सभी को प्राप्त/उपलब्ध करने के लिए वेबसाइट का पता (होम पेज) मालूम होना चाहिए जिससे आसानी से उस वेबसाइट पर जाकर सूचनाओं का संकलन कर लिया जाता है। संबंधित साहित्य की समीक्षा के लिए वेब मीडिया से प्राप्त स्त्रोत इलेक्ट्रानिक डाटा बेस कहलाते हैं, प्रमुख Online Data Base निम्न है–

- ERIC http://eric.ed.gov/?Journals
- DELNET delnet.nic.in

विभिन्न साइट्स–

1. Edusuw http://www.eduseru.org.uk/
2. Social issues Research centre http://www.sirc.org.
3. Snodhganga. INFLIBHET centre - a reservoir of Indian Theses.
4. बुक सर्वे
5. The literature Review - a Few Tips on conducting it - university ofTeronto
6. Ph.D. - First thoughts to Finished writing - university.
7. Literature Review in the social Sciences. _ Libraries of Adelphi university.
8. http://libguides.library.cityu.eud.hk/litreview
9. Research @ city U Library Guides.

इस प्रकार हम यह कह सकते है कि वेब मीडिया अनुसंधान कार्य में एक मददगार स्त्रोत है जिसके माध्यम से हम सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा आसानी से कर सकते है हमें यहां–वहां नही भटकना पड़ता, कम खर्च में कम समय में हम घर बैठे वेबमीडिया द्वारा सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा आसानी से कर सकते है।

सन्दर्भ

1. Bashir, Mir Aadil, (2019), Is social media the modern literature? Aligarh Muslim University.
2. राय पारसनाथ, सी.पी. (2009–10), ''अनुसंधान परिचय'' लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।
3. शर्मा, आर. ए. (2011), शिक्षा अनुसंधान के मूलतत्व एवं शोध प्रक्रिया, मेरठ : आर. लाल बुक डिपो।
4. शर्मावन्दना, (2011),वेब मीडिया का बढ़ता क्षितिज, samvedsetupatrika.wordpress.com

https://doi.org/10.47997/sdes-ijir/3.2.2022.418-419